भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1209

उत्तर देने की तारीखः 20.1**2**.201**8**

अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं

1209. श्री आर॰ वैद्यलिंगमः

**क्या** मानव संसाधन विकास मंत्री **यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और अवसंरचना में सुधार करने के लिए 2022 तक एक लाख करोड़ रुपये निवेश करने का विचार कर रही है;**

**(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ग) क्या स्कूली बच्चों में नवोन्मेष की संस्कृति अंतर्निविष्ट करने के लिए अटल टिंकरिंग**

**प्रयोगशालाएं आरंभ की गई हैं;**

**(घ) क्या सरकार ने ऐसी प्रयोगशालाओं के कार्यान्वयन के लिए कोई अध्ययन कराया है; और**

**(ङ ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)

**(क) और (ख): सरकार ने** “2022 **तक शिक्षा में अवसंरचना और प्रणालियों को पुनरूज्‍जीवित**” **करने संबंधी योजना को अनुमोदित किया है जिसके अनुसार उच्‍चतर शिक्षा वित्‍तीयन एजेंसी (एचईएफए) के जरिए वित्‍तपोषित की जाने वाली संस्‍थाओं के कार्यक्षेत्र को बढ़ाया गया है जिसमें उच्‍चतर शिक्षा के अलावा स्‍कूल शिक्षा और चिकित्‍सा शिक्षा को भी शामिल किया जाए। आवश्‍यकता के आधार पर बाजार से अतिरिक्‍त संसाधन जुटाने की सुविधा सहित एचईएफए की कुल प्राधिकृत इक्‍विटी पूंजी को 10,000 करोड़ रूपए तक बढ़ाया गया है। कुल 6,000 करोड़ रूपए की सरकारी इक्‍विटी अनुमोदित की गई है। अब से केंद्रीय रूप से वित्‍तपोषित शैक्षणिक संस्‍थाओं में शैक्षिक अवसंरचना हेतु सभी निधियां, एचईएफए के जरिए संस्‍थान को दिए गए दस वर्षीय ऋण के रूप में होगी, जिसकी ब्‍याज देयता सरकार द्वारा वहन की जाएगी। संस्‍थाओं द्वारा मूलराशि का पुनर्भुगतान उनके आयु प्रोफाइल और वित्‍तीय क्षमता के आधार पर आंशिक रूप से अथवा पूर्ण रूप से किया जाएगा। नई संस्‍थाओं और ऐसी संस्‍थाओं के लिए जिनकी सीमित आंतरिक निधि सृजन क्षमता है, संपूर्ण मूलराशि और ब्‍याज का पुनर्भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। उन स्‍कूलों और चिकित्‍सा शिक्षा संस्‍थाओं के लिए वित्‍तपोषण का एक अतिरिक्‍त विकल्‍प मौजूद है, जहां प्रायोजक विभाग एचईएफए को मूल और ब्‍याज का पुनर्भुगतान करेगा। अब तक, एचईएफए के पास 12307 करोड़ की कुल ऋण राशि के साथ 24430 करोड़ रूपए की अनुमोदित परियोजनाएं हैं।**

**(ग): जी, हां। अटल टिंकरिंग लैब, नीति आयोग के अंतर्गत अटल नवाचार मिशन (एआईएम) द्वारा चलाए जाने वाला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्‍य हमारे देश के बच्‍चों में एक नवाचारी मानसिकता को प्रोत्‍साहित करना है, एआईएम ने कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के अनुसार अटल टिंकरिंग लैब्‍स की स्‍थापना करने के लिए देश में स्‍थित 6 से 10/12 कक्षा वाले स्‍कूलों में से 5000 से अधिक स्‍कूलों का चयन किया है। एटीएल एक ऐसा कार्य-स्‍थल है जहां युवा प्रतिभा व्‍यावहारिक ‘स्‍वयं-करो’ रीति के जरिए अपने विचारों को साकार सकती हैं और अभिनव कौशल सीख सकते हैं। एटीएल में ‘स्‍वयं-करो’ शैक्षणिक और अधिगम किट्स तथा विज्ञान, इलेक्‍ट्रॉनिक्‍स, रोबोटिक्‍स, ओपन सोर्स माइक्रो कन्‍ट्रोलर बोर्डस, सेंसर्स और 3डी प्रिंटर्स और कम्‍प्यूटर्स से संबंधित उपकरण शामिल हैं। अभी तक एआईएम ने स्कूलों में एटीएल की स्‍थापना के लिए 2000 से अधिक स्कूलों को वित्‍तीय सहायता प्रदान की है। एआईएम ने हाल ही में 3**000 **स्‍कूलों का चयन किया है जो एटीएल दिशानिर्देशों के अनुसार अपना निधियन प्राप्‍त करने हेतु अनुपालन कर रहे हैं। एटीएल कार्यक्रम की विभिन्‍न गतिविधियों के बारे में ब्‍यौरा एआईएम की वेबसाइट** [www.aim.gov.in](http://www.aim.gov.in) **पर दिया गया है।**

**(घ) और (ड.): एटीएल कार्यक्रम ने अभी दो वर्ष भी पूरे नहीं किए हैं। तथापि, सरकार स्‍कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्‍स की स्‍थापना के प्रभाव का मूल्‍यांकन करने के लिए पर्याप्‍त उपाय कर रही है। एआईएम, कार्यक्रम की मध्‍यावधि सैम्‍पल समीक्षा करने और उसके प्रभाव तथा मूल्‍यांकन के लिए उपाय सुझाने के लिए तृतीय पक्ष को नियुक्‍त करने के अवसर का लाभ उठा रहा है।**

**\*\*\*\*\***